आरम्भ किये गये उपचारात्मक उपाय निम्नवत हैं :—

(i) बेहतर आय के लिए फसल-मिश्रण (क्रॉपमिक्स) में परिवर्तन किया जा रहा है।

(ii) बीजों के विपणन का कार्य विभिन्न राज्य सरकारों के साथ जोड़ा जा रहा है ।

(iii) निगम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि फार्मों में सिंचाई की सुविधा को जो कि इस समय एक प्रमुख बाधा है, पुख्ता बनाया जाए ।

(iv) केन्द्रीय राज्य फार्म, सूरतगढ़ में फार्म माइनर का काम पूरा होने वाला है । इसमें सूरतगढ़ फार्म में 3500 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए तथा सरदारगढ़ फार्म में 600 हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पानी की व्यवस्था होगी । केन्द्रीय राज्य फार्म बहराइच में 20 गहरे नलकूप लगाये गये हैं तथा 5 कूओं का कार्य चल रहा है जिससे 750 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के पानी की आपूर्ति में वृद्धि होगी । अलग-अलग फार्मों में 215 हैक्टेयर को ड्रिप सिंचाई तथा 365 हैक्टेयर को छिड़काव सुविधा प्रणाली के अन्तर्गत कवर करने का प्रावधान है ।

(v) संसाधनों का ईष्टतम उपयोग करने के लिए कार्यकलापों का, पौदों की अधिक पैदावार करना, मछली पालन, बत्तख पालन, सुअर पालन, भेड़ व बकरी पालन आदि के क्षेत्रों में विविधीकृत किया गया है। केन्द्रीय राज्य फार्म आरालाम में आयुर्वेदिक औषधीय पौधों तथा मसालों की खेती का काम भी आरम्भ किया गया है । संकरबीजों, पुष्पोत्पादन, मशरूम आदि के खेती के क्षेत्र में भी विविधीकरण का प्रस्ताव है ।

(vi) निगम के पूंजीगत व्यय को; विश्वबैंक की सहायता वाली परियोजना; राष्ट्रीय बीज परियोजना–III के अंतर्गत फार्म विकास के लिए सहायता के साथ जोड़ा गया है । राष्ट्रीय बीज परियोजना–III के अंतर्गत सहमत कार्यवाही योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है ।

निगम में दिसम्बर, 1994 तथा जून, 1991 के दौरान कार्यरत नियमित कर्मचारियों की कुल संख्या क्रमश 1909 तथा 2011 थी । 1991–92 से 1993–94 तक के पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्पादन का कुल मूल्य नीचे दिया गया है :—

(करोड़ रु.)

वर्ष	कुल उत्पादन
1991–92	27.68
1992–93	23.30
1993–94	28.34

Predictions for Monsoons

1709. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:
SHRI JAGIR SINGH DARD:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a)by when the predictions for monsoon for the coming agricultural seasons will be available;

(b) how far, the predictions have been saccessful during the past ten years;

(c) whether the latest equipment and gadgets are. available with the Government agenices for proper predictions: and

(d) to what extent do the farmers make use of the predictions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) The prediction for coming South-West Monsoon season

will be available by the end of May, 1955.

(b) A newly developed model, first operationalised in 1988, has given reasonably accurate forecast of seasonal monsoon rains during the last seven years.

(c) Yes, Sir.

(d) The farmers are making full use of the prediction of monsoon for preparing plans for choice of crops and farm operations.

उर्वरक पर राजसहायता में अनियमितताएं

1710. **श्री मूलचन्द मीणा :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान कुछ राज्यों में उर्वरकों पर राजसहायता के भुगतान में की जा रही कथित अनियमितताओं की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो किन-किन राज्यों के विरुद्ध शिकायतें मिली हैं ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार ने इन विभिन्न शिकायतों से संबंधित तथ्य एकत्रित किए हैं ;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम निकले हैं ;

(ङ) क्या केन्द्रीय सरकार ने उर्वरकों का उत्पादन करने वाली इकाइयों को सीधे राजसहायता देने का पुनः निर्णय लिया है ;

(च) यदि हां, तो क्या हाल ही में इस तरह की व्यवस्था को बन्द कर दिया गया है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, तथा इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) से (घ) बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों से कथित अनियमितताओं के बारे में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं और राज्य सरकारों से इनके बारे में जांच करने को कहा गया है।

(ङ) से (छ) किसानों को विनियंत्रित फास्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों की बिक्री पर रियायत की योजना रबी 1992–93 से चल रही है। 1994–95 के दौरान, केन्द्र सरकार उर्वरक विनिर्माताओं/आयातकों को राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा प्रमाणित बिक्री की रिपोर्टों के आधार पर सीधे भुगतान कर रही है। 1995–96 के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान घोषित किया गया है।

खाद्यान्न उत्पादन के लक्ष्य में परिवर्तन

1711. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक खाद्यान्न उत्पादन के लिए पहले से निर्धारित लक्ष्य में कोई परिवर्तन करने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो खाद्यान्न के उत्पादन हेतु पहले क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और प्रस्तावित लक्ष्य क्या है; और

(ग) सरकार को खाद्यान्न के उत्पादन हेतु पहले से निर्धारित लक्ष्य में किन कारणों से परिवर्तन करना पड़ा है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम): (क) जी, नहीं।

(ख) तथा (ग) प्रश्न ही नहीं होता।